THIARA DEVI SIDDHARTHA): (a) No sir.

(b) to (d) Does not arise in view of reply at (a) above.

Illness due to Administration of contaminated Intravenous Injections

292. DR. BAPU KALDATE:
SHRIMATI KAMLA SINHA:

Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether a number of patients in the female surgical ward of safdarjung Hospital were seriously taken ill recently following administration of contaminated intravenous injections;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) what is the outcome of the inquiry conducted by Government into the matter; and

(d) what action has been taken by Government for this gross negligence on the part of the hospital and against the supplier of contaminated intravenous injections?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRIMATI D.K. THARA DEVI SIDDHARTHA): (a) and (b) Eight patients admitted in the female surgical ward of safdarjung Hospital developed some adverse reactions. However, this was controlled by timely medical attention and seven patients were discharged after recovery. One patient expired due to intestinal obstruction and not due to administration of IV Fluids.

(c) and (d) Enquiry has been conducted in the matter. The enquiry report is being examined. The samples of IV fluids which caused reaction, have been sent to the Government Analyst for testing.

राममनोहर लोहिया अस्पताल में मौतें

293. **मौलाना ओबैदुल्ला खान आज़मी:** क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि 3 और 4 नवम्बर, 1992 को राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली में स्टाफ और डाक्टरों की लापरवाही से कई बच्चे मर गये;

(ख) क्या यह भी सच है कि मरने वाले बच्चों के संबंधियों ने इस पर अपना तीव्र विरोध प्रकट किया;

(ग) यदि हां, तो दोषी स्टाफ और डाक्टरों के विरूद्ध क्या कार्यवाही की गयी है; और

(घ) इस प्रकार की घटनाएं भविष्य में न होने देने के लिये क्या कदम उठाये गए है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती डी० के० तारा देवी सिद्धार्थ): (क) से (घ) 3 नवम्बर, 1992 को रक्ताधिक्य (कन्जेस्टिव) हृद्विकार के कारण श्वसनिकाशोथ से एक बच्चे की मृत्यु हुई और दूसरे बच्चे की 4 नवम्बर 1992 को गंभीर वायरल रक्तस्रावी ज्वर से मृत्यु हुई। 3 नवम्बर, 1992 को जिस बच्चे की मृत्यु हुई उसके संबंधियों ने कोई विरोध प्रकट नहीं किया। लेकिन जिस बच्चे की मृत्यु 4 नवम्बर, 1992 को हुई उसके परिचारकों ने उस समय विरोध प्रकट किया जब रोगी को रक्ताधान कराया जा रहा था, जिसकी सलाह गहन उपचार के अतिरिक्त दी गई थी। इन मौतों के लिए किसी कर्मचारी अथवा डाक्टर को दोषी नहीं पाया गया है।

मच्छर उन्मूलन कार्यक्रम

294. **मौलाना ओबैदुल्ला खान आज़मी:** क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली में धुंआ करने और मच्छर उन्मूलन के अन्य उपाय समुचित और पर्याप्त रूप से नहीं किये गए गये हैं;

(ख) क्या यह सच है कि दिल्ली में मच्छरों की संख्या में बहुत अधिक वृद्धि हो गई है;

(ग) क्या यह भी सच है कि मच्छर उन्मूलन कार्यक्रम के कार्यान्वयन में शिथिलता आ गई है;

(घ) यदि हां, तो इस मामले में क्या कदम उठाये गये हैं/उठाये जा रहे हैं; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती डी० के० तारादेवी सिद्धार्थ): (क) जी, नहीं। मलेरिया के नियंत्रण के लिये संघ राज्य क्षेत्र में मच्छर लार्वा नाशी तेल फेन्थियोन और टेमीफोस के साथ साप्ताहिक लार्वारोधी उपाय नियमित रूप से किये जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों, झुग्गी-झोंपड़ी समूहों और परियोजना संबंधी झोंपड़ियों में बी०एच०सी० का तीन बार छिड़काव किया जाता है। इसके अतिरिक्त मच्छरलार्वा की रोकथाम के लिये जहां कहीं व्यवहार्य हो, गैम्बुसिया जैसी लार्वा भक्षी मछलियों को एकत्रित पानी में छोड़ा गया है। तथापि नेमी तौर धूमन नहीं किया जाता है क्योंकि इसकी केवल महामारियों फैलने की स्थिति में ही सिफारिश की जाती है।

(ख) जी, नहीं।

(ग) जी, नहीं। मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम को पूरे उत्साह से साथ संघ राज्य क्षेत्र में कार्यान्वित किया जा रहा है न कि मच्छर उन्मूलन कार्यक्रम को।

(ग) और (ङ) ये प्रश्न नहीं उठते।

People affected by AIDS in India

295. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the statement of Dr. Raj Bothra, President of the AIDS India Foundation (U.S.A.) as reported in the Hindustan Times dated 3rd November, 1992 captioned "India sits atop an AIDS volcano that will soon errupt engulfing millions";

(b) wheter it is also a fact that according to W.H.O. about one million people in India are infected with HIV, virus that causes AIDS and that the country is likely to have more such cases than in any other nation by 1995 and by the year 2000, more AIDS cases than in the World today;

(c) if so, the action taken by Government to meet this challenge and whether any effective national AIDS policy-Guidelines laid down so far; and

(d) whether in North-Eastern States prevlence rate reported to have risen from one percent to 50 per cent in last one year; if so, what action Government of India have taken in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRIMATI D.K. THARA DEVI SIDDHARTHA): (a) Yes, Sir.

(b) Yes, Sir.

(c) The Government of India has launched a Centrally sponsored scheme, with World Bank and WHO assistance, for the prevention and control of AIDS in the country. The accent is on prevention as AIDS has no cure, as of now. The programme components consist of strengthening management, increasing the level of awareness in community and among individuals, increasing safety of blood and blood products, augmenting STD control programme and improving clinical management and surveillance.

(d) With better surveillance the detection in number of HIV positive cases is also increasing not only in NE States but throughout the country.

Waterborne diseases in the Country

296. SHRI PRAMOD MAHAJAN: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that water-borne diseases are maximum in our country; and

(b) if so, the steps proposed to be taken in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRIMATI D.K. THARA DEVI SIDDHARTHA): (a) and (b) there is no dependable data to